हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, रविवार 5 अक्टूबर 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

माता के विसर्जन में देरी को देख महिलाओं ने सुहागले पूजन

भुआबिछिया। नगर के भुआ दुर्गोत्सव पंडाल में माता रानी के विसर्जन में देरी को देखते हुए ओर फिर पपकुशा एकादशी का दिन मिलने पर माता रानी के आशीर्वाद का पूरा फायदा उठाने में महिलाएं हमेशा आगे रही है, ग्राम की महिला मंडल द्वारा सुंदर लाल पीले परिधान से सुसज्जित एक भेष भूसा में पहुंच कर माता के दरबार में एकादशी व्रत के शुभ अवसर पर दुर्गोत्सव पंडाल में लगभग 40 से 50 महिलाओं ने माता रानी के दरबार में सुहागले पूजन का कार्यक्रम कर चूड़ी बिंदी मीठा पकवान सुहाग का पूरा सामान लाल चुनरी माता को अर्पण कर सुहागले पूजन की कथा सुनी माता रानी से अपने सुहाग की लंबी उम्र ओर उनके रक्षा की कामना की और सभी माताओं बहनों ने माता को अर्पित किया हुआ प्रसाद ग्रहण किया कार्यक्रम के पश्चात सभी ने फलाहार स्वल्पाहार कर अपना व्रत तोड़ा और भजन कीर्तन जस का गायन किया ओर माता से सुख समृद्धि की कामना की, इस अवसर पर श्रीमती मनोरमा गोस्वामी निशा गर्ग, आरती शर्मा, रत्ना गर्ग, सरिता साहू, मीना राय, मंजू साहू, रानी साहू,सोनाली शिवहरे, रानू साहू, स्मिता श्रीवास्तव, सपना पिपरसानिया, तनु पिपरशानिया, सरिता साहू ज्योति द्विवेदी, संगीता गोस्वामी, पूजा द्विवेदी, रागनी नामदेव, शिप्रा गोस्वामी, रश्मि यादव, सहित अनेक महिलाओं ने सुहागले पूजन में भाग लिया और माता रानी से अपने सुहाग के रक्षा की कामना की।

शरद पूर्णिमा पर माहिष्मती घाट पर होगा सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

नर्मदा तट पर बिखरेगी कला

*** आयोजकों द्वारा अधिक संख्या में पहुंचने की अपील**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिला प्रशासन एवं नमामि देवी नर्मदे ट्रस्ट महिष्मति घाट मण्डला तथा रज़ा फाउंडेशन द्वारा शरद पूर्णिमा के अवसर पर सांस्कृतिक संध्या शरदोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर नर्मदा तट पर स्थित माहिष्मती घाट में 6 अक्टूबर दिन सोमवार की शाम 7 बजे भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य का अनोखा समागम सुनंने व देखने को मिलेगा। इसमें भारतीय शास्त्रीय संगीत में गायक पंडित कुमार गंधर्व के पोते भुवनेश कोमकली अपनी प्रस्तुति देंगे। इस युवा गायक ने स्वरों के विभिन्न तलो पर बनते सुमधुर अनुनाद व संगीत के शास्त्रीय पहलुओं पर अपनी पकड़ बनाई है। शरदोत्सव पर भारतीय शास्त्रीय गायन के साथ-साथ भारतीय शास्त्रीय नृत्य भी शरद पूर्णिमा को यादगार बना देगा। इसमें तीन कथक नृत्यांगना एक साथ अपनी प्रस्तुति देंगी। डॉ. मृणाल तिवारी, शीतल घुगे व चेतना विश्वकर्मा कथक नृत्य प्रस्तुत करेंगी। डॉ. मृणाल तिवारी स्थापित कलाकार होने के साथ डेंटिस्ट भी है। इन्होने कथक में UGC NET भी क्वालिफ़ाइड किया है। इन्होने विभिन्न बड़े कार्यक्रमों में अपनी प्रस्तुति दी है। इनका साथ ही शीतल घुगे व चेतना विश्वकर्मा भी कथक में निपुड़ होने के चलते दूरदर्शन ग्रेडिंग प्राप्त कलाकार है। दोनों ने विभिन्न बड़े मंचों पर अपनी प्रस्तुति से श्रोताओं की खूब वाहवाही बटोरी है। यह आयोजन मंडला के भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य के शौकीनों को लम्बे समय तक याद रहेगा। जिला प्रशासन एवं नमामि देवी नर्मदे ट्रस्ट महिष्मति घाट मण्डला तथा रज़ा फाउंडेशन ने कला प्रेमियों से अपील की है कि वे अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाए।

भुवनेश कोमकली

भारतीय शास्त्रीय संगीत में गायन की उत्कृष्ट परसम्परा वाली पृष्भूमि मैं जन्में भुवनेश कोमकली अपने भीतर विरासत की सम्पन्नता एं सहज सम्भावनाओं से भरे युवा गायक है। स्वरों के विभिन्न तलो पर बनते सुमधुर अनुनाद व संगीत के शास्त्रीय पहलुओं के चितन, विश्लेषण वाले वातावरण ने उनके कलाकार व्यक्तित्व को विकसित होने, निखरने के लिये उर्जा दी। अपनी स्वस्फूर्त प्रतिभा व जिज्ञासाओ ने उन्हे अपने 'दादा पंडित कुमार गंधर्व एबं पिता मक्ल शिवप्त्र की सांगीतिक विरासत को आत्मसात करने का व्यापक फलक दिया। आपकी ख्याल गायकी की शिक्षा श्रीमती वस्धरा कोमकली एव श्री. मध्य म्दगल जैसे गुरुओं के पास हई जो आज भी जारी है। निरंतर स्वाध्याय और गायकी के अभ्यास से आप की आवाज श्रोताओं के हृदय को स्पंदित करती है।पंडित कमार गंधर्व के विचारों और उनके द्वारा स्थापित मूल्यों का निरंतर अभ्यास करते हुए भुवनेश अपनी गायकी के द्वारा अपनी अभ्यासक प्रवत्ति का प्रमाण देते है। समस्त भारतीय गायन शैलियों घरानो, लोक विधाओ और समकालिन संगीत के मूल तत्वों को समझते हूए संगीत को ऐसी सम्भव समग्रता तक लानेका प्रयत्न करते है , जो श्रोताओं को एक स्वच्छ आयाम में आनद विभोर कर देता है। वाणिज्य स्नातक होने के साथ साथ आपने कम्प्यूटर का भी डिप्लोमा किया है। कुमार गंधर्व प्रतिष्ठान, देवास के आप सक्रिय सचिव है और क्मारजी की गायकी को आधनिक डिजिटल टेक्नॉलॉजी के माध्यम से संरक्षित करने के कार्य को आप ने गंभीरता पूर्वक किया है। हिन्दी फिचर फिल्म देवी अहिल्या के साथ साथ आपने कथक नृत्य के लिये भी संगीत रचना की है। देश के लगभग सभी शहरों मे प्रतिषटित संगीत समारोह आपने अपनी सफल प्रस्तुतियां दी है जो गुणी श्रोताओं और विद्वानों के द्वारा सराही गई है आप संस्कृति विभाग भारत सरकार द्वारा छात्रवृत्त प्रस्कार से सम्मानित है।

डॉ. मृणाल तिवारी

डॉ. मृणाल तिवारी पिछले सात वर्षों से गुरु अल्पना बाजपेयी के सान्निध्य में मार्गी कथक संस्थान में निरंतर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं तथा वर्तमान में अपनी गुरु के साथ संस्था के कार्यों में सहयोगी के रूप में कार्यरत हैं। आप कथक में UGC NET क्वालिफ़ाइड होने के साथ-साथ पेशे से डेंटिस्ट भी हैं। आपने पहल श्रद्धांजलि समारोह (BMHRC), गुरु पूर्णिमा उत्सव, मैनिट भोपाल में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, प्रोत्साहन मंच (इस्पिक मैके) जैसे विभिन्न कार्यक्रमों में अपनी प्रस्तुतियाँ दी हैं।

शीतल घुगे

शीतल घुगे विगत 10 वर्षो से गुरु अल्पना वाजपेयी और गुरु सृष्टि गुप्ता के सानिध्य में कथक नृत्य का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। वर्तमान में मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित अल्लाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी के चक्रधर नृत्य केंद्र में छात्रवृत्ति की छात्रा है। आपने चक्रधर नृत्य समारोह, नर्मदा महोत्सव, संस्कृति प्रकृति, नमन एवं 8वे राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव आदि में युगल एवं समूह नृत्य प्रस्तुति दी है। आपको दूरदर्शन भोपाल से B grade कलाकार की उपाधि प्राप्त है।

चेतना विश्वकर्मा

चेतना विश्वकर्मा विगत 8 वर्षों से गुरु अल्पना वाजपेयी के सानिध्य में मार्गी कथक संस्थान में नृत्य का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं एवं वर्तमान में आप अपनी गुरु के साथ संस्था के कार्यों में सहयोगी के रूप में कार्यरत हैं।आपको दूरदर्शन भोपाल से B ग्रेड कलाकार का प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है। आपने पहल, श्रद्धांजली समारोह, खजुराहो कथक कुम्भ, गुरुपूर्णिमा उत्सव एवं मैनिट भोपाल में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आदि में समूह नृत्य

दुग्ध समृद्धि संकल्प अभियान में दे रहे जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

शासन के निर्देशानुसार 2 अक्टूबर से 9 अक्टूबर तक दुग्ध समृद्धि संकल्प अभियान का आयोजन जिले भर में किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के पशुपालकों को पशुपालन से होने वाले आर्थिक एवं पोषण संबंधी लाभों के प्रति जागरूक करना है। पशु पालन विभाग के उप संचालक यूएस तिवारी ने बताया कि कलेक्टर मण्डला सोमेश मिश्रा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देश पर अभियान चलाया जा रहा है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा संचालित यह विशेष अभियान तीन चरणों में चलाया जा रहा है जिसमें विभाग की टीम गांव-गांव जाकर पशुपालकों को जागरूक कर रही है। अभियान के अंतर्गत पशुपालकों को मुख्यतः तीन प्रमुख विषयों पर जानकारी दी जा रही है पशु पोषण उचित आहार से दूध उत्पादन कैसे बढ़ाया जा सकता है। पशुओं का स्वास्थ्य टीकाकरण बीमारियों की पहचान और समय पर इलाज की जानकारी नस्ल सुधार कृत्रिम गर्भाधान व उच्च नस्लों के उपयोग से उत्पादन क्षमता में वृद्धि तीन चरणों में चयन यह अभियान चरणबद्ध तरीके से चलाया जा रहा है प्रथम चरण ऐसे पशुपालकों का चयन किया गया है जिनके पास 10 या उससे अधिक दूध देने वाले पशु हैं। द्वितीय चरण इसमें 5 से 10 दूधारू पशु रखने वाले पशुपालक शामिल किए गए हैं। तृतीय चरण अंत में 1 से 5 पशुओं वाले छोटे पशुपालकों को जोड़ा गया है। 150 पशुपालन विभाग के कर्मचारी इस अभियान में लगे हुए हैं। कुल 5000 दूधारू पशुओं को इस मुहिम में शामिल किया गया है। यह अभियान ग्राम पंचायतों में चलाया जा रहा है। अभियान के तहत विभाग का अमला घर-घर जाकर जानकारी दे रहा है। पशुपालकों को यह बताया जा रहा है कि किस तरह से थोड़े से संसाधनों में भी वे पशुपालन को लाभकारी व्यवसाय बना सकते हैं। साथ ही सरकार की योजनाओं अनुदानों मुफ्त टीकाकरण शिविरों और नस्ल सुधार कार्यक्रमों की जानकारी भी दी जा रही है। यह अभियान पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक प्रभावी कदम है। दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देकर न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा बल्कि पोषण स्तर में भी सुधार होगा। शासन की यह पहल आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की ओर एक मजबूत कदम है।

आध्यात्मिक उत्सव में जाएंगे मण्डला से श्रद्धालु

मण्डला। मध्यप्रदेश का पावन तीर्थस्थल हरे माधव धाम माधव नगर एक बार फिर आध्यात्मिक उत्सव का साक्षी बनने जा रहा है। 9 से 10 अक्टूबर को यहां आयोजित होने वाला हरे माधव वर्सी पर्व केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि आत्मा का परमात्मा से मिलन कहलाता है। इस पावन पर्व में देश के कोने-कोने से हजारों श्रद्धालु पहुंचकर सतगुरु साहिबान का पावन रूहानी दर्शन कर आत्मिक शान्ति का अनुभव करेंगे। यह पावन पर्व सतगुरु बाबा माधवशाह एवं सतगुरु बाबा नारायणशाह साहिब की पावन स्मृति को समर्पित है। वर्सी पर्व प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी श्रद्धालु परम श्रद्धेय जीवनमुक्त सतगुरु सांई ईश्वरशाह साहिब जी के सानिध्य में इस पावन पर्व रूहानी महोत्सव का लाभ उठाएंगे। वास्तव में वर्सी पर्व केवल भक्ति का अवसर नहीं बल्कि आत्मा के भीतर जागरण का संदेश है। यहां वर्सी पर्व आने वाले श्रद्धालु सेवा सत्संग सिमरन-ध्यान और भजन-बन्दगी में लीन होकर अपने जीवन को पवित्र और निर्मल बनाने की प्रेरणा प्राप्त करते हैं। जैसे तपकर सोना कुंदन बनता है वैसे ही इस पर्व की साधना आत्मा को निखार देती है। श्रद्धालु सतगुरु की असीम कृपा प्रेम और रहमतों का अनुभव कर आत्मिक तृप्ति पाते हैं। कटनी का माधव नगर इस दौरान भजन-बंदगी की स्वर लहरियों सतगुरु वचनों की वाणी और नूर भरे दर्शन से गूंज उठेगा। निश्चित ही यह वर्सी पर्व हर श्रद्धालु के लिए एक अमूल्य सुअवसर होगा आत्मा को भीतर से छू जाने वाला जीवन को नई आध्यात्मिक दिशा देने वाला आप भी इस पावन वर्सी पर्व का हिस्सा बनकर रूहानी आनन्द और आध्यात्मिक ऊँचाइयों का अनुभव कर सकते हैं।

पर्व | **विजयदशमी पर विश्व हिंदू परिषद के शस्त्र पूजन में सनातनियों की दिखी झलक।**

पदयात्रा में मातृशक्तियों ने लगाए जयकारे

*** विश्व हिन्दू परिषद ने किया शस्त्र पूजन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

विजयदशमी के पावन अवसर पर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल ने शस्त्र पूजन किया। नगर के बस स्टैंड उदय चौंक ईलाही चौंक और जिला पंचायत शेषनाग मंदिर प्रांगण से धर्मरक्षकों ने शक्ति शस्त्र पदयात्रा निकाली। इस शस्त्र पदयात्रा में मातृ शक्तियों ने भी अपनी सहभागिता दर्ज कराई शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुए पद यात्रा चौपाटी कार्यक्रम स्थल पहुंची। चौपाटी पर सैकड़ों की संख्या में जुटे धर्मप्रेमियों ने कार्यकर्ताओं और पदयात्रा का जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से शास्त्रों का पूजन अर्चन किया गया। कार्यक्रम में विश्व हिन्दू परिषद के विभाग संगठन मंत्री अरविंद तिवारी ने ईसाई धर्मांतरण और लव जिहाद मामलों पर तीखे अंदाज में कहा कि आज सनातन संस्कृति को तोडने के लिए लगातार षड्यंत्र रचे जा रहे हैं। ईसाई मिशनरियां भोले-भाले आदिवासियों को भ्रमित कर धर्मांतरण करा रही हैं वहीं लव जिहाद के नाम पर हमारी बेटियों को निशाना बनाया जा रहा है। सनातनी समाज अब चुप नहीं बैठेगा। हर गांव, हर शहर में हिंदू समाज इन कुरीतियों के खिलाफ मजबूती से खड़ा होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह लड़ाई केवल धर्म की रक्षा की नहीं है बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ी की सुरक्षा और संस्कृति की अस्मिता की लड़ाई है। आज का आयोजन सिर्फ विजयदशमी का पर्व मनाने के लिए नहीं है बल्कि यह सनातन संस्कृति को आगे बढ़ाने और नई पीढ़ी को इससे जोडने का संकल्प है। पूजन के बाद सभा को संबोधित करते हुए विश्व हिंदू परिषद जिला अध्यक्ष मनोज फागवानी ने कहा कि हर सनातनी हिंदू के घर में एक शास्त्र होना चाहिए। शास्त्र हमारी आस्था और संस्कृति का आधार हैं। अपने बच्चों को सनातन की संस्कृति और सभ्यता की शिक्षा देना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं और परिवारों को प्रेरित करते हुए कहा हर परिवार को चाहिए कि वे अपने बच्चों को तिलक लगाकर घर से विदा करें ताकि समाज में सनातन की झलक दिखे। आजकल बच्चों को तिलक लगाने में झिझक होती है जबकि यह हमारी पहचान और गौरव है। यदि बचपन से ही बच्चों में इस परंपरा का संस्कार डाला जाए, तो वे भविष्य में गर्व से सनातन धर्म का पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि परिवार ही बच्चों का पहला विद्यालय है और माता-पिता का दायित्व है कि वे उन्हें संस्कार और संस्कृति से जोड़ें। वहीं विश्व हिन्दू परिषद के पूर्व जिला अध्यक्ष आलोक खरया ने कहा विश्व हिंदू परिषद सनातनियों के लिए वह ताकत है जो समय-समय पर हिंदू समाज को एकजुट कर अपनी संस्कृति की रक्षा करती है। श्री खरया ने कहा कि विजयदशमी का पर्व हमें सिर्फ अच्छाई की बुराई पर विजय का संदेश ही नहीं देता बल्कि यह सनातन संस्कृति को आत्मसात करने और आने वाली पीढियों को उसका मार्ग दिखाने का भी पर्व है। आज की युवा पीढ़ी को यह समझना होगा कि अगर हम अपनी जड़ों से जुड़े रहेंगे तो कोई भी ताकत हमें कमजोर नहीं कर सकती। उन्होंने आगे कहा कि विश्व हिंदू परिषद का उद्देश्य केवल धार्मिक आयोजन करना नहीं है बल्कि समाज को एकजुट कर राष्ट्र निर्माण की दिशा में आगे बढ़ाना है। सनातन धर्म के सिद्धांत आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने हजारों वर्ष पहले थे। सभा के अंत में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सनातन संस्कृति की रक्षा और समाज को जागरूक करने का संकल्प लिया। वहीं इस अवसर पर कथावाचक पं. नीलू महाराज ने भी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सनातन धर्म केवल पूजा-पाठ या आस्था तक सीमित नहीं है बल्कि यह जीवन जीने की पद्धति है। यही वह परंपरा है जो हमें संयम संस्कार और सत्य का मार्ग दिखाती है। आज की युवा पीढ़ी को चाहिए कि वे सिर्फ आधुनिकता की दौड़ में न भागें बल्कि सनातन धर्म से जुड़े संस्कारों को भी आत्मसात करें। वहीं कवि नीरज निर्माही ने कहा कि विजयदशमी का पर्व हमें यह शिक्षा देता है कि जब-जब धर्म पर संकट आता है तब-तब धर्म की रक्षा के लिए समाज को एकजुट होकर खड़ा होना पड़ता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं और परिवारों से आग्रह किया कि वे घर-घर जाकर लोगों को संस्कृति और परंपरा के महत्व के बारे में जागरूक करें। इस अवसर पर पौंडी ग्राम पंचायत सरपंच राजेन्द्र धुर्वे ने भी विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल के जीवन चित्रण पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सनातन धर्म की रक्षा और सुरक्षा में परिषद की बड़ी भूमिका है। कार्यक्रम के पूर्व भारत माता के तैल्यचित्र पर दीप प्रज्वालन कर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर परिषद के रितेश अग्रवाल, नगर अध्यक्ष ललित हिडाऊ, जिला सहमंत्री सोनल बर्मन, जिला मंत्री अमित बैरागी, वशू सिंधिया जिला सहसंयोजक, नगर संयोजिका शिल्पा पटैल, नगर मंत्री रितेश कछवाहा सहित बड़ी संख्या में मातृ शक्तियां, विहिप कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। जगह-जगह लोगों ने पदयात्रा का स्वागत किया और आयोजन को सफल बनाने में सहभागिता निभाई।

घुघरी में दशहरा चल समारोह धूमधाम से संपन्न

*** मुख्य मार्ग पर उमड़ा भक्तों का सैलाब।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/घुघरी

घुघरी नगर में विजयदशमी का पर्व इस वर्ष भव्यता और उत्साह के साथ मनाया गया। गुरुवार को दोपहर 3 बजे से शुरू हुआ चल समारोह देर रात तक नगरवासियों के उत्साह और श्रद्धा का केंद्र बना रहा। नगर के विभिन्न देवी मंडलों की झांकियां, डीजे की धुन, ढोल-नगाड़े, पारंपरिक नृत्य और भक्तों के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा।

दोपहर में नगर के बस स्टैंड प्रांगण में सभी देवी प्रतिमाएं एकत्र हुईं। यहां से सैकड़ों की संख्या में महिलाएं, पुरुष और युवा शामिल होकर चल समारोह में निकले। लगभग 1000 से अधिक श्रद्धालुओं ने शामिल होकर धार्मिक एकता और उत्साह का परिचय दिया। जुलूस नगर के मुख्य मार्गों से गुजरते हुए निर्धारित विसर्जन स्थल तक पहुंचा, जहां देर रात तक प्रतिमाओं का विसर्जन चलता रहा।

घुघरी नगर का बस स्टैंड प्रांगण मंगलवार की दोपहर रंग-बिरंगी सजावट, रोशनी और भक्तों की भीड़ से गुलजार हो गया। यहां पर अलग-अलग देवी मंडलों की प्रतिमाएं आकर्षक सजावट के साथ पहुंचीं। इस दौरान नगरवासियों ने ढोल-नगाड़ों और आतिशबाजी के बीच माता रानी की जयकारे लगाए।

नगर के वरिष्ठजन, मातृशक्ति और युवा वर्ग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से झांकियों के दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर माता से सुख-समृद्धि और शांति की कामना की

चल समारोह जब नगर के मुख्य मार्ग से आगे बढ़ा तो दोनों ओर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। लोग घरों की छतों और दुकानों से माता रानी के दर्शन कर रहे थे। कई जगह सामाजिक संस्थाओं और मोहल्लों की समितियों ने जलपान, शीतल जल और फलाहार की व्यवस्था कर यात्रियों का स्वागत किया।

युवाओं की टोली डीजे की धुन पर थिरक रही थी, तो वहीं पारंपरिक मंडलियों ने ढोल-नगाड़े बजाकर उत्सव को और अधिक जीवंत बना दिया। बच्चे जहां झांकियों के पीछे-पीछे दौड़ते नजर आए, वहीं महिलाएं समूह बनाकर माता के भजन गा रही थी।

चल समारोह देर शाम विसर्जन स्थल पर पहुंचा। यहां पर प्रतिमाओं का विधि-विधान से पूजन कर विसर्जन किया गया। श्रद्धालु 'जय माता दी' और 'हर-हर महादेव' के जयकारों के साथ प्रतिमाओं को विदा कर रहे थे। विसर्जन की प्रक्रिया देर रात तक चलती रही।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत प्रतिनिधि और आर आई भगत पटवारी आशीष रंगारे एवम राजस्व की टीम थाना प्रभारी पूजा बघेल एवम उनकी पूरी टीम चल समारोह में मौजूद रहीं। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा का जायजा लिया। साथ ही समिति के सदस्यों के साथ सहयोग कर पूरे आयोजन को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नगरवासियों का उत्साह और सामूहिक सहभागिता इस वर्ष के दशहरा चल समारोह की सबसे बड़ी विशेषता रही। लगभग 1500 से अधिक महिला, पुरुष और युवाओं ने सक्रिय रूप से इस आयोजन में भाग लिया। वहीं बड़ी संख्या में ग्रामीण अंचलों से भी श्रद्धालु यहां पहुंचे और माता रानी के जयकारों के बीच माहौल को भक्तिमय बना दिया।

नगर के नागरिकों ने बताया कि हर वर्ष दशहरा का यह पर्व सामाजिक एकता का प्रतीक बनता है। इस अवसर पर सभी धर्म और वर्ग के लोग मिलकर देवी प्रतिमाओं की शोभायात्रा में शामिल होते हैं और नगर की संस्कृति को जीवंत बनाए रखते हैं।

शपथ-पत्र

मैं मानवी सिंह पिता संदीप कुमार सिंह आयु 25 वर्ष निवासी संजय नगर बिझिया दुर्गा मंदिर के पास बिझिंया तहसील व जिला मण्डला म0प्र0 आ0का0क0 321502976717 की निम्नांकित कथन शपथपूर्वक करती हूँ कि :-

1:- यह कि मैं उपरोक्तानुसार पते की स्थाई निवासी हूँ। तथा मेरे पिता संदीप कुमार सिंह **Sandeep Kumar Singh** एवं माँ नीरज सिंह **Neeraj Singh** है। जो कि इसी नाम से जाने पहिचाने पढे व लिखे जाते है। तथा उक्त नाम मेरे माता पिता के आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों से प्रमाणित है।

2- यह कि मेरे द्वारा शिक्षण सत्र 2014-15 में कक्षा दसवी रोल नम्बर 1242406 शिक्षण सत्र 2018 में कक्षा बारहवी रोल नम्बर 1726315 एवं शिक्षण सत्र 2019 से 2021 में बी0ए0 प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की परीक्षा दी गई थी जिसका रोल नम्बर 18402100 है तथा उक्त परीक्षाओं में मैं उत्तीर्ण रही हूँ। तथा उपरोक्त परीक्षा दिए जाने उपरांत मुझे मेरी मार्कशीट की मूल प्रति प्रदान की गई है। जिसमें मेरे पिता का अंग्रेजी में अपूर्ण नाम संदीप सिंह **SANDEEP SINGH** अंकित कर दिया गया है। इसी तरह से माँ का अंग्रेजी में त्रुटिपूर्ण **NIRAJA SINGH** अंकित कर दिया गया है।

3:- यह कि उपरोक्त स्थिति में मेरे पिता का सही नाम संदीप कुमार सिंह **Sandeep Kumar Singh** एवं मेरी मां को नीरज सिंह **Neeraj Singh** इसी नाम से जाना पहिचाना पढा एवं लिखा जावे ।

4:- यह कि उक्त नामों को लेकर यदि भविष्य में कोई वैधानिक बाधा उत्पन्न होती है तो जिसके लिए मैं स्वंय जिम्मेदार रहूंगी। तदाशय का यह शपथपत्र निष्पादित करती हूँ।

शपथकर्ता

खबर संक्षेप

दो बाइकों की हुई आपस में भिंडत पुलिस ने दर्ज किया काउन्टर मामला

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस सांईखेड़ा के वार्ड क्रमांक 11 निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपने पति जाकिर अली के साथ ग्राम रम्पुरा से सांईखेड़ा आ रहे थें। उसी दौरान एक मोटर साईकिल क्रमांक अपराध क्रमांक MP 49 MG 9278 के चालक द्वारा अपनी मोटर साईकिल को तेज गति व लापरवाही पूर्वक चलाते हुये प्रार्थिया व उसके पति को टक्कर मार दी गई जिसके चलते पति पत्नी को चोटे आई। वही दूसरे पक्ष की ओर से भी ग्राम महगंवा खुर्द निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मै अपने जीजा तीरथ चौधरी के साथ मोटर साईकिल से आ रहा था उसी समय एक मोटर साईकिल चालक द्वारा अपनी बाइक को तेज गति व लापरवाही पूर्वक चलाते हुये हम लोगों को टक्कर कारते हुये चोटे पहुंचाई। इस तरह घटित हुई घटना को लेकर पुलिस ने दोनो पक्षों की शिकायत पर काउन्टर मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

चिकित्सालय में वृद्ध जन स्वास्थ्य शिविर संपन्न

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। स्थानीय चिकित्सालय परिसर में राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत में वृद्धजनों का पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया गया। जिससे माहौल में आत्मीयता और सम्मान की भावना झलक उठी। वही इस मौके पर सिविल अस्पताल प्रभारी अधीक्षक डॉ. उपेंद्र वस्त्राकार के मार्गदर्शन में यह स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विभिन्न रोगों से पीड़ित वृद्धजनों का उपचार विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा किया गया। जिसमे डॉ. डीपी पंथी कोरी, डॉ. आशुतोष मेहता ,डॉ. अभिनव जैन ,डॉ. शिवम दिमोले सहित नेत्र सहायक यूएस पटेल, डॉ. निधि झरिया द्वारा मरीजों को उचित परामर्श के साथ-साथ मुफ्त दवाइयाँभी वितरित की गई। शिविर में लगभग दो सौ से ऊपर मरीजो को लाभ मिला। इस मौके पर निधि कौरव और श्रीमती संगीता साहू सहित अस्पताल स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। बताया जाता है कि शिविर के दौरान सभी ने मिलकर वृद्धजनों को बेहतर सेवाएँ प्रदान करने में अपनी भूमिका निभाई। यह शिविर न केवल स्वास्थ्य सेवाओं का माध्यम बना, बल्कि वृद्धजनों के प्रति स्नेह और सम्मान का प्रतीक भी रहा। इस आयोजन ने समाज में बुजुर्गों की देखभाल और उनके स्वास्थ्य पर ध्यान देने का संदेश दिया। ऐसे आयोजन बुजुर्गों की भलाई और समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरणादायक हैं।

राष्ट्रीय स्तर के मार्ग पर कब मिलेगी गड्ढों से निजात

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। भले ही सरकार द्वारा हर वर्ष अपने बजट में नई सड़को का निर्माण कराने के लिये अरबों रूपया खर्च करने की बात कही जा रही है। मगर जिस प्रकार से पुरानी सड़को की स्थिति हो रही है उस ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही देने का परिणाम इस प्रकार से बन चुका है कि इन सड़को पर वाहन चालकों को सड़क खोजना मुश्किल होने लगा है? इस बात की सच्चाई इस समय राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख माने जाने वाले जबलपुर से भोपाल की ओर जाने वाले गाडरवारा पिपरिया के बीच देखने मिल रही है, जहां पर इस मार्ग पर गड्ढो की भरमार होने के कारण आये दिन घटनाएं घटित होना आम बात हो चुकी है। वही दूसरी ओर समीपस्थ ग्राम पनागर के पास स्थित नाग मंदिर के समीप सड़क पर निकला हुआ गड्ढा अब वाहन चालकों के लिये जान लेवा साबित होते हुये दिखाई देने से नही चूक रहा है। बताया जाता है कि यह गड्ढा दिनों दिन अपना रूप बढ़ाते हुये दिखाई दे रहा है।

लगातार बढ़ रही महंगाई के चलते दीवाली की तैयारियाँ पड़ रही भारी, घरों की पुताई सामग्री के भाव सुनकर मध्यम वर्ग के लिये आवासों में रंग रोगन कराना हुआ मुश्किल...?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

हर साल देखा जाता है कि दशहरा पर्व समाप्त होते ही दीपावली त्यौहर की तैयारियों को लेकर शहर का बाजार सजने लगता है। इसी प्रकार से इस वर्ष भी दिखाई देने लगा है और लोग अब अपनी घरों की पुताई सफाई की तैयारियों की ओर अग्रसर होते हुये दिखाई दे रहे है। वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि जनता के पैसा का दुरूपयोग करते हुये फ्री की रेवडी बाटने के चक्कर में लगातार महंगाई में हो रहे इजाफा के चलते हर चीज महंगी बिकने लगी है। आलम यह है कि भीषण महंगाई के चल रहे दौर में लोगों के लिए घरों की पुताई, मरम्मत कराने के साथ गरीबों को अपने आशियाने ठीक करना मुश्किल हो रहा है। हालत यह है कि महंगी सीमेन्ट, रेत बिकने से आमजन परेशान हो रहे है और उन्हें घरों का रंग रोगन कराने के लिए परेशान होने मजबूर होना पड़ रहा है। इन दिनों वैसे ही मंहगाई अपना बिकराल रूप धारण किये हुई है। इस समय बाजार में रंग, पेन्ट, बार्निश, डिस्टेम्पर कीमतो पर असर डालने से नही चूक पा रहा है। पुताई सामग्री की कीमतों में बढ़ोत्तरी होने से हर सामग्री लगभग 20 से 30 प्रतिशत उछाल आया है। इस स्थिति के चलते विशेष तौर से मध्यमवर्गीय लोग अपने घरों को संवारने की चाहत रखने वाले अपने घरों के बजट में कटौती करने के लिये मजबूर देखे जा रहे है। इस प्रकार कई तरह की समस्याओं का सामना करते हुए अपने घर में लक्ष्मी जी के कदम पड़ने की आशा में लोग घरों का रूप रंग निखारने में जुटे हुए तो देखे जा रहे है। मगर लगातार बढ़ रही महंगाई के चलते हर साल अपनी घरों की पुताई में इतना खर्च नही कर पाने के कारण अब वह एक वर्ष के अंतराल से पुताई कराने की सोच बनने मजबूर हो रहे है..? दीवाली की तैयारियों को लेकर इन दिनों लोग अपने घरों की पुताई, दरबाजो, खिडकियों में पेन्ट करने वाले मजदूरों की कमी होने से शहरवासियों को सुबह, शाम मजदूरों को तलाशने भटकना पड़ रहा है। नगर की पुराना गल्ला मंडी, झंडाचौक पर काम की तलाश में आये मजदूर महंगाई का हवाला देकर मुंह मांगे पैसों से काम करने मुश्किल से तैयार हो रहे है। ऐसे में नगर के मध्यमवर्गीय, गरीबों को अधिकतर लोगों की पुताई नही हो पा रही है। रंग पेन्ट के विक्रेताओं का कहना है कि चूने को छोड इस साल निश्चित ही रंग पेन्टो पर विकराल मंहगाई की छाया पड़ गई है। देखा जावे तो किसी भी प्रकार से लोग अपने घरों की रंग पुताई कराने से तो नही चूक रहे है जिसके चलते इस समय बाजार में रंग पेन्ट की दुकानों पर लोगों का भीड़ देखने मिल रही है। वही दूसरी ओर रंगों की अनेक प्रकार की बैरायटी के चक्कर में भी आमजन की जेबे खाली हो रही है। क्योंकि सुरसा की तरह मुंह बढ़ाते हुये महंगाई लोगों को अपने घरों की पुताई करना एक शादी समारोह को संपन्न कराने के समान जान पड़ रहा है। इस तरह घरों की पुताई करने के लिए लोग अनुभवी मजदूरों की खोज में इतने परेशान होते हुए देखे जा रहे है। क्योंकि लोगों को इस बात की चिंता भी सताती रहती है कि जब कोई मजदूर बिल्डिंग या फिर दीवार पर चढ़कर कार्य करता है तो उसकी जान के लिए खतरा भी बना रहता है..? इस स्थिति में अनुभवी कार्य करने बाले मजदूरों के रेट भी सातवें आसमान पर पहुंचने से नही चूक पा रहे है..? इस प्रकार से शहर में चल रहे पुताई के कार्य के चलते अनेक मजदूरों को अपने बच्चों का पेट भरने के लिए पूर्णरूप से अपनी जान को जोखिम में डालकर काम करते हुए देखा जा रहा है। इस स्थिति में मजदूरों से चर्चा की गई तो उनका कहना रहता है कि बड़ी बिल्डिंगों की पुताई का कार्य वह इस स्थिति में लेते है कि उन्हें उससे अच्छा पैसा मिल जाता है। यह बात सत्य है कि जब बड़ी बिल्डिंगों पर कार्य करते है तो जान के लिए खतरा बना रहता है..? क्योंकि अधिकांश जहां खुले मैदान में तो होती नही है उनके ऊपर रस्सी का झूला डालकर ही काम करना पड़ता है। इस स्थिति में निश्चित तौर से जान के लिए खतरा रहता है । वैसे भी शहर में देखा जावे तो जहां तहां फैली हुई बिजली लाईनों का भी भय सतता रहता है। क्योंकि बिजली न तो किसी गरीब की मजबूरी को समझती है और न ही किसी असरदार के प्रभाव को और इस स्थिति में जरा सी चूक मजदूर की जिन्दगी को दाव पर लग सकती है। मगर क्या करे अपने व बच्चों के पेट की खातिर इस प्रकार से जिन्दगी दांव पर लगाकर काम करने के लिए मजबूर तो होना ही पड़ता है? वही कुछ मजदूरों द्वारा अपना नाम न छापने की शर्त पर बताया कि जिस प्रकार से वह दिन भर अपनी जान को हथैली पर रखकर कार्य करते है। मगर इस मजबूरी को धनवान मालिक कभी नही समझते है उन्हें तो सिर्फ काम अच्छा चाहिए इसके बाद जब काम के बदले पैसा लेने की नौबत आती है तो अनेक बडे लोगों द्वारा तुरंत पैसा देने की जगह कई दिनों तक चक्कर लगवाने से भी नही चूकते है। इसके साथ साथ काम करते वक्त यदि उनके किसी समान को चूक बस कोई क्षति पहुंच जाती है तो उसका पैसा काटने से भी पीछे नही रहते है? माध्यमवर्गीय लोग तो काम के बदले में पैसा देने में उतना परेशान नही करते है। मगर धनवानों की महिमा तो भगवान ही नही समझ पाता है। इतना ही नही अधिकांश धनवान लोग बाजार से जब हम लोगों से जो रेट तय करके लाते है काम के बाद उसमें भी कटौती करने की बात करने में नही चूकते है? इस स्थिति में हम लोगों द्वारा किसी धनवान के घर काम करने जाने के पहले यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते है कि क्या पता काम करने के बाद पैसा कितने दिन में और पूरा मिल पायेगा कि नही..?

लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा नगर में देवी प्रतिमओं के साथ जवारे विसर्जनों का सिलसिला,

देवी पंडालों में कन्या पूजन से लेकर भोज के आयोजन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नवरात्र उत्सव हो या फिर गणेश उत्सव के दौरान आयोजित होने वाली शांति समिति की बैठकों के दौरान अधिकारियों द्वारा धार्मिक आयोजन के दौरान सुचारू व्यवस्थाये बनाने के साथ साथ विसर्जन को लेकर जरूरी दिशा निर्देश जारी किये जाते है। वही अधिकारियों द्वारा हर साल समितियों के समक्ष यह प्रस्ताव रखा जाता है कि वह स्थापित की जाने वाली प्रतिमाओं का विसर्जन एक नही तो दो दिनों के अंदर पूर्णरूप से कर देवे। मगर अधिकारियों द्वारा हर साल किये जाने वाला प्रयास पता नही क्यों सफल नही हो पाता है और नगर में लगातार तीन से चार दिनों तक प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला जारी रहने के चलते व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों सहित कर्मचारियों को परेशान होते हुये देखा जाता है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस साल भी देखने मिल रही है। बताया जाता है कि नगर में देवी प्रतिमाओं का विसर्जन लगातार तीसरे दिवस भी जारी रहा तथा अनेक जगहों पर देवी पंड़ालो में कन्या भोज सहित अन्य प्रकार के आयोजन होते हुये देखे गये। नगर में जारी माँ जगत जननी की प्रतिमाओं के विसर्जन के क्रम के बीच बीते हुये शुक्रवार की शाम नगर के विजय कालोनी स्थित शिव मंदिर के पास स्थापित दुर्गाजी की प्रतिमा का विसर्जन समिति द्वारा बडे ही धूमधाम के साथ किया गया। इस तरह जब मातारानी की बिदाई के लिये उन्हें सुसज्जित ट्रेक्टर ट्राली पर बैठाते हुये यह गीत शुरू किया कि माँ का यहां पर तो कुछ दिन का ही ठिकाना है...., इस गीत की धुन को सुनते हुये विदाई देने के लिये पहुंची अनेक महिलाओं द्वारा माताराानी से बिछड़ने के चलते आंखों में आंसू आने से नही चूक पाये..। इसी प्रकार का हाल विसर्जन के तीसरे दिवस यानि की शनिवार को भी देखने मिला। नगर में अनेक जगहों पर स्थापित की गई दुर्गाजी की प्रतिमाओं सहित जबरों का विसर्जन लोगों द्वारा बड़े ही धूमधाम के साथ करते हुये शहर के मुख्य मार्गो से विसर्जन जुलूस निकाले गये। जबारों के साथ चल रहे पंड़ाओं द्वारा भाव आने के दौरान अपने कालों से त्रिशूल आरपार करते हुये माँ की शक्ति की सच्चाई का प्रदर्शन किया गया।

ग्राम महगंवा कला से रवाना हुआ माँ नर्मदाजी की पैदल परिक्रमा करने के लिये भक्तों का जत्था, ब्रम्हाजी की तपों भूमि बरमान घाट से शुरू की यात्रा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। माँ नर्मदाजी के अंचल में जन्म देने वाले निश्चित ही अपने आपकों बड़े सौभाग्य शाली समझते है कि उन्होंने इस क्षेत्र में जन्म लेते हुये आये दिन माँ नर्मदाजी के दर्जन कर पाते है। क्योंकि दुनिया की एक मात्र नर्मदा नदी ही इस तरह से है जिसकी परिक्रमा की जाती है। शास्त्रों में बताया जाता है कि माँ नर्मदाजी के हर कंकर में शंकर का वास होता है। इसी लिये इस पृथ्वी लोक पर माँ नर्मदाजी के दर्शन मात्र से ही मानव को अपनी पापों से मुक्ति मिल जाती है। कहा जाता है कि कलयुग काल में इस मानव लोक में माँ नर्मदाजी व भगवान हनुमान जी धर्म की रक्षा के लिये साक्षात मौजूद रहेगे। वही माँ नर्मदाजी की परिक्रमा को लेकर बताया जाता है कि सही परिक्रमा उसी को माना जाता है कि जब कोई व्यक्ति अपने शरीर पर लगोटी रूपी वस्त्र धारण करने के साथ गृहस्थ जीवन से दूर रहते हुये माँ नर्मदा जी के किनारे पैदल चलते हुये परिक्रमा करता है। क्योंकि परिक्रमा के दौरान परिक्रमावासी को जहां प्रतिदिन माँ नर्मदाजी के दर्शन करने के साथ दो वक्त की आरती में एक वक्त की आरती माँ नर्मदाजी के समक्ष ही करने कम से कम पांच घरों से भिक्षा मांगते हुये भोजन तैयार करते हुये उसमें से एक रोटी माँ नर्मदाजी तथा एक रोटी गाय माता को खिलाने के बाद भोजन ग्रहण करने का महत्व बताया गया है..? इसी के चलते हर वर्ष देखा जाता है कि दशहरा पर्व के उपरांत हजारों भक्तों द्वारा माँ नर्मदाजी की परिक्रमा शुरू की जाती है। बताया जाता है कि बारिश के दिनों में जब नर्मदाजी में बाढ़ आती है तो नर्मदाजी का जल सभी नदी नालों में प्रवेश कर जाता है। इस स्थिति में परिक्रमवासी उन नालों को पार नही करते है। इसी लिये चौमासा के दौरान परिक्रमा करना बर्जित बताया गया। वही चौमासा की समाप्ति दशहरा पर्व के बाद होने के चलते लोग दशहरा से अपनी परिक्रमा की शुरूआत करते है। यह बात अलग है कि कुछ लोगों द्वारा माँ नर्मदाजी की परिक्रमा करने की औपचारिकता भले ही वाहनों के माध्यम से पूरी की जाने लगी है। जब कोई वाहनों के माध्यम से परिक्रमा करता है तो वह माँ नर्मदाजी से काफी दूर रहते हुये पक्के मार्गो से ही निकलते हुये सभी प्रकार की भौतिक सुविधाओं भोग करते हुये देखे जाते है। इस परिक्रमा के दौरान परिक्रमावासियों के लिये कभी कभी दो दो दिनों तक माँ नर्मदाजी के दर्शन होना भी मुश्किल हो जाता है..? इसी के चलते पैदल परिक्रमा का महत्व ही अधिक बताया गया है। क्योंकि पैदल की जाने वाली परिक्रमा के दौरान परिक्रमावासी माँ नर्मदाजी के किनारे चलते हुये प्रतिदिन माँ नर्मदाजी के दर्शन करते हुये आगे की ओर बढ़ते चले जाते है। इस दौरान उन्हें अनेक प्रकार के ऊबड़ खाबड़ मार्गो सहित जंगलों के रास्तों से गुजरना होता है। माँ की कृपा के चलते मार्ग में आने वाली सभी परेशानियों से माँ नर्मदाजी अपने भक्तों को निजात दिलाते हुये रक्षा के लिये साथ देने में पीछे नही रहती है। इसी के चलते ग्राम महगंवा कला निवासी चौधरी सोहन सिंह कौरव, चौ. अनिल सिंह कौरव, चौ. अरविंद सिंह कौरव, चौ. शिवकुमार कौरव, चौ. रामनाथ कौरव, व बड़े लाल कौरव भमका वालों के अलावा मुन्नालाल यादव, ठाकुर मामा सहित मन्जे भैया द्वारा बरमान घाट से अपनी परिक्रमा की शुरूआत की गई है। इन परिक्रमावासियों का जत्था प्रतिदिन लगभग 15 से लेकर 20 किलोमीटर की दूरी तय करते हुये आगे की ओर अग्रसर होते हुये चला जा रहा है।

बेमौसम छाने वाले बादलों को देखकर किसानों के चेहरो पर पड़ रही चिंता की लकीरे, यदि बारिश का सिलसिला नही रूका तो सोयाबीन फसल बर्बाद होने से नही बच पायेगी..

हरिभूमि न्यूज/सड़ूमर। क्षेत्र का किसान जिस प्रकार से बीते हुये कुछ वर्षो से लगातार प्रकृति की मार झेलते हुये रातदिन एक करते हुये मेहनत करने में जुटा हुआ है। मगर इस समय देखा जा रहा है कि जिस तरह आसमान पर छाने वाले बादलों से यह अनुमान लगने से चूक पा रहा है कि शायद प्रकृति की मार इन किसानों का पीछा नही छोडेगी और आसमान की ओर देखकर किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीरे स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी है..? यह बात अलग है कि इस साल बारिश के मौसम ने किसानों का साथ देते हुये फसलों की चमक से अन्नदाता के चेहरें पर खुशी लाने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी। मगर बारिश की बिदाई की अवधि निकल जाने के बाद भी वारिश का क्रम नही रूकने के चलते किसानों को चिंता में डाल दिया गया है। क्योंकि इस समय जिस तरह बादल छाये हुये और मौसम विभाग द्वारा बारिश होने की संभावना को लेकर अलर्ट किया जा रहा है उसके चलते किसानों की रातों की नींद गायब होने से नही बच पा रही है..? वही अनेक जगहो पर बारिश की खबर मिलने के कारण क्षेत्र का किसान चिंता में पड़ गया है। क्योंकि हर वर्ष देखा जाता है कि जब सारी परेशानियों को झेलने के बाद किसानों द्वारा अपने खेतों में इस उम्मीद के साथ फसल की बोनी की जाती है कि शायद इस बार उनका भाग्य संभल जावेगा और प्रकृति साथ दे देगी। मगर जब खेतों में फसले तैयार होने लगती है तो प्रकृति का खेल इस प्रकार से देखने मिलता है कि किसानों की रातों की नींद गायब होने से नही बच पाती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय भी देखने मिल रही है। क्योंकि इस समय किसानों के खेतों में सोयाबीन की फसल पूर्णरूप से तैयार होकर कटने के लिये खड़ी है। मगर बीते हुये कुछ दिनों से जिस प्रकार आसमान पर बादल छाने के साथ साथ मौसम विभाग द्वारा बारिश की संभावना व्यक्त की जा रही है उससे निश्चित ही किसानों की रातों की नींद गायब हो चुकी है। इस तहर से देखा जावे तो हर साल दशहरा पर्व तक बारिश बिदाई लेने के बाद ठंड का आगमन हो जाता था। मगर इस साल बारिश बिदाई लेने के जगह अपना रूप सावन भादों माह की तरह दिखाने में पीछे नही रह रही है। यही कारण है कि क्षेत्र के किसानों के खेतों में लहलहाती हुई धान फसलों में इल्ली सहित अन्य प्रकार के रोग लगते हुये देखे जा रहे है। जिसके कारण किसान इन रोगों से अपनी फसलों को सुरक्षित बचाने के लिये हजारों रूपया खर्च करते हुये अनेक प्रकार की कीटनाशक दबाईयों का छिड़काव कर रहे है। वही दूसरी ओर खेतों में सोयाबीन फसल कटने के लिये तैयार खड़ी हुई है उसके खराब होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। वही यही सीजन किसानों के लिये अपने खेतों में चना, मसूर, गेंहू सहित अन्य प्रकार की फसलों की बोनी करने का होता है। वही भी मौसम के चलते पीछे होते हुये चली जा रही है। इस स्थिति में अनेक किसानों का कहना है कि यदि बारिश हो जाती है तो निश्चित तौर से किसानों द्वारा जहां अपनी फसलों की तैयार करने में लगाई गई पूरी लागत पानी में चली जावेगी तो दूसरी ओर क्षेत्र का किसान फिर एक बार बर्बादी की कगार पर पहुंच जावेगा..? बोनी के बाद मौसम ने किसानों को साथ दिया गया था उसके चलते निश्चित तौर से किसानों का सोयाबीन की पैदावार की ओर रूख दिखाई देना शुरू हो गया था। मगर यदि प्रकृति धोखा देती है तो निश्चित तौर से किसानों द्वारा सोयबीन फसल को तैयार करने में लगाई गई लागत भी खड़ी हो पाना मुश्किल होने से नही चूकेगा..? इस प्रकार से प्रकृति की मार झेल रही किसान आसमान पर छाने वाले बादलों को देखकर सुख मन से रोटी तक नही खा पा रहा है।

चाय लेने के लिये गये युवक की बाइक हुई पार

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। भले ही पुलिस द्वारा बीते हुये दिनों पकड़े गये वाहन चोर गिरोह से भारी मात्रा में चोरी की बाइके जप्त करने में सफलता हासिल की गई है। मगर मोटर साईकिल चोरी की घटनाओं पर अंकुश न लग पाना निश्चित तौर से पुलिस की सफलता पर ग्रहण लगाते हुये वाहन चोरी करने वाले पुलिस को खुलेआम चुनौती देने से नही चूक रहे है..? चोरों के हौसले इतने बुलंद नजर आ रहे है कि वह चंद मिनिटों के अंदर लोगों के वाहन पार करते हुये देखे जा रहे है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस उस समय देखने मिली जब एक युवक चाय लेने के लिये दुकान पर गया और अज्ञात चोर द्वारा उसकी बाइक को पार कर डाला। घटना के संबंध में बताया जाता है कि दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेडा के वार्ड क्रमांक 3 खेरापति वार्ड निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह सुबह 9 बजे के लगभग अखिलेश कुशवाहा की दुकान पर चाय लेने के लिये गया हुआ था और अपनी मोटर साईकिल को क्रं. MP49MI6968 दुकान के सामने खड़ी करके चाय लेने लगा और चंद मिनिट बाद देखा तो मोटर साईकिल गायब हो गई। इस प्रकार से अज्ञात चोर द्वारा पुलिस को खुलेआम चुनौती देते हुये प्रार्थी की बाइक को पार कर डाला है।

खबर संक्षेप

मानिकपुर पंचायत भवन के पास सड़क हादसा, दो लोग घायल

डिंडोरी न्यूज। गाड़ासरई थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत मानिकपुर में मंगलवार को एक सड़क हादसे में दो लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना पंचायत भवन के पास उस समय हुई जब लालपुर निवासी माहेश्वरी धुर्वे (25 वर्ष), अपने बहन को भूषण्डा छोड़ने जा रही थीं।प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस दौरान सामने से आ रहे अंगई गांव निवासी देवेंद्र वालरे, पिता गोधू वालरे, अपनी बाइक से तेज रफ्तार में थे। उन्होंने सड़क पर पैदल चल रही माहेश्वरी और उनकी बहन को जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में माहेश्वरी को पैर में गंभीर चोट आई है, जबकि बाइक सवार देवेंद्र को भी गंभीर रूप से चोटें पहुंचीं।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत 108 एंबुलेंस को सूचना दी। दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए गोरखपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बीजा रैयत की प्राथमिक शाला जर्जर, शिक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

अमरपुर। जनपद शिक्षा केंद्र अमरपुर क्षेत्रांतर्गत प्राथमिक शाला बीजा रैयत की पूर्व में भी शिक्षक न जाने की शिकायत होती रही हैं। वर्तमान समय में भवन इतना जर्जर हो गया हैं कि उस भवन में शाला संचालन ही नहीं किया जा सकता। पदस्थ शिक्षकों ने आपसी तालमेल कर आंगनबाड़ी भवन में दोनों संस्थान संचालित कर रहे हैं। परंतु अब समस्या यह हैं कि आंगनबाड़ी भवन में एक ही कक्ष हैं। जिसमें दो संस्थाओं के छात्रों को एक साथ बैठाकर अध्यापन कार्य करना भी असंभव हो जाता हैं। ऐसी स्थिति में उन छात्रों के भविष्य पर प्रश्न चिन्ह लग जाता हैं। वहीं पर दूसरी समस्या यह हैं कि आंगनबाड़ी भवन में शौचालय वगैरह की व्यवस्था भी नहीं हैं। जोकि प्राथमिक स्तर के छात्रों के लिए यह भी एक गम्भीर समस्या बना हुआ हैं। यह एक ग्रामीण अंचल की दूरस्त ग्राम में संचालन होने की वजह से विभाग के नियंत्रण अधिकारी कर्मचारी पहुंच ही नहीं पाते हैं। जनपद शिक्षा केंद्र क्षेत्र में अनेक शाला भवन ऐसी स्थिति में पहुंच चुके हैं। जहां पर नए भवन निर्माण की नितांत आवश्यक हैं। शैक्षणिक व्यवस्था पर भी स्थानीय और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की अनदेखी भी कहीं जा सकती हैं।

मां दुर्गा विसर्जन उत्सव से गूंजा माया धाम लालपुर पर्वत

डिंडोरी / शहपुरा- शनिवार को डिंडौरी जिले के शहपुरा क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मिडलेश्वर माया धाम लालपुर की पवित्र पहाड़ी पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी माता दुर्गा विसर्जन समारोह का भव्य आयोजन किया गया।सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता मंदिर परिसर में उमड़ पड़ा। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं और युवक इस धार्मिक जलसे में शामिल हुए।मंत्रोच्चारण, भजन-कीर्तन और जयकारों के बीच मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन पूर्ण श्रद्धा और आस्था के साथ किया गया। माया धाम लालपुर का यह धार्मिक स्थल क्षेत्र में अत्यंत प्रसिद्ध है। कहा जाता है कि यह स्थान सिद्ध पीठ के रूप में जाना जाता है, जहां दूर-दूर से भक्तजन अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए दर्शन करने आते हैं।

कलेक्टर श्रीमती अंजु पवन भदौरिया ने किया

विकासखंड बजाग के विभिन्न ग्रामों का औचक निरीक्षण

गौशाला, विद्यालय, आंगनवाड़ी, उचित मूल्य दुकान, स्वास्थ्य केंद्र और महिला प्रशिक्षण केंद्र का लिया जायजा

डिंडौरी ।

कलेक्टर श्रीमती अंजु पवन भदौरिया ने शनिवार को विकासखंड बजाग के ग्राम कारोपानी के गौशाला, प्राथमिक शाला बांसाटोला, शासकीय उचित मूल्य दुकान, आंगनवाड़ी केंद्र, चल चरखा महिला प्रशिक्षण केंद्र, प्रतिभाशाली विद्योदय ज्ञानदीप, सीएम राइज सांदीपनि स्कूल सुकुलपुरा एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गाड़ासरई का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने मां अंबे स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित गौशाला बांसा टोला का अवलोकन किया। जहां पर गौशाला की स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष ने बताया कि 103 गायें दर्ज हैं जिनमें से 95 गाय उपलब्ध हैं, जिन्हें बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने हेतु पशु चिकित्सा विभाग के ब्लॉक समन्वय, रोजगार सहायक, ग्राम पंचायत सचिव को गायों को चारा उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक निर्देश दिए। और गांव के समूह के द्वारा खेत में लगाई गई घास उपलब्ध न होने पर ग्राम पंचायत सचिव को लापरवाही करने पर हिदायत दी कि मैं पुनः गौशाला देखने 15 दिवस के अन्दर आउंगी। और गौशाला प्रांगण में कीचड़, साफ-सफाई न होने पर आरईएस सहायक यंत्री और एसडीएम बजाग को सुदृढ़ व्यवस्था करने के निर्देश दिए ताकि गौशाला के पशुओं को चारा, पानी एवं किसी प्रकार की समस्या न हो सके।

प्राथमिक शाला बांसाटोला में उपस्थित छात्र-छात्राओं से उपस्थित किताब पढाकर, गणित के प्रश्न पूछकर शैक्षणिक स्तर का जायजा लिया। और शाला प्रभारी को शिक्षा का स्तर बढाने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। निरीक्षण में उन्होंने बच्चों की उपस्थिति, भोजन व्यवस्था, शौचालय, गणवेश वितरण आदि का अवलोकन किया तथा विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री वितरित की। ग्रामीणों द्वारा राशन कार्ड, आधार कार्ड, गैस कनेक्शन, वृद्धा पेंशन आदि समस्याएं रखे जाने पर कलेक्टर ने एसडीएम बजाग को शिविर आयोजित कर समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर को कारोपानी का निरीक्षण के दौरान गांव के किसानों ने हिरणों द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाने की बात रखी। जिसपर कलेक्टर ने कहा कि वन वनमंडल अधिकारी के साथ समन्वय कर आपकी समस्या का निराकरण कर दिया जाएगा।

शासकीय उचित मूल्य की दुकान पर स्टॉक रजिस्टर एवं खाद्य सामग्री का परीक्षण किया। आंगनवाड़ी केंद्र कारोपानी बांसा टोला का निरीक्षण के दौरान 8 बच्चे उपस्थित पाए गए, जिस पर कलेक्टर ने कार्यकर्ता को पोषण ट्रैकर में उपस्थिति दर्ज करने के निर्देश दिए तथा महिला बाल विकास अधिकारी से जिले के आंगनवाड़ी केंद्रों की अद्यतन जानकारी ली। उन्होंने ग्राम पंचायत सचिव को केंद्र की पुताई और साफ-सफाई कराने के भी निर्देश दिए।चल चरखा महिला प्रशिक्षण केंद्र में संचालक द्वारा बताया कि केंद्र चार वर्षों से संचालित है, जहाँ 140 मशीनों पर लगभग 200 महिलाएं प्रतिदिन कार्य करती हैं और ग्रामीण अंचलों की बेरोजगार महिलाओं को अपने कार्य के साथ-साथ इस संस्था के द्वारा रोजगार देकर उनके जीवन यापन में मदद करतीं हैं। कलेक्टर ने इस कार्य की सराहना की। वहीं प्रतिभाशाली विद्योदय ज्ञानदीप में ग्रामीण अंचलों के प्रशिक्षण ले रहे बच्चों से संवाद करते हुए उन्होंने पढ़ाई और प्रशिक्षण के संतुलन पर प्रश्न पूछा, जिस पर बच्चों ने मुस्कुराते हुए "हाँ" कहा।

सीएम राइज सांदीपनि विद्यालय सुकुलपुरा के निरीक्षण किया। विद्यालय की कक्षाओं, शौचालय, भोजन, पुस्तकालय, विद्युत और पेयजल व्यवस्था की जांच की। उन्होंने कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों से कहा कि यदि कोई छात्र जिले की प्रवीण सूची में स्थान प्राप्त करता है, तो उसे मेरी ओर से 10 हजार रूपए का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गाड़ासरई के निरीक्षण में उन्होंने प्रसव कक्ष, वार्ड, पैथोलॉजी, टीकाकरण, आयुष, दवाई स्टोर कक्ष एवं दवा वितरण कक्ष का जायजा लिया स्टोर में रखी दवाईयों की अंतिम तिथि देखी, और मरीजों से संवाद कर उनकी स्थिति जानी। कलेक्टर ने सीएमएचओ को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर जे.पी. यादव, एसडीएम बजाग रामबाबू देवांगन, डिप्टी कलेक्टर अक्षय डिगरसे, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग राजेंद्र कुमार जाटव, महिला बाल विकास अधिकारी श्याम सिंगौर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण के साथ पर्यावरण संरक्षण पर भी जोर

डिंडौरी।

जिले के आंगनवाड़ी केंद्रों में अब पोषण के साथ-साथ प्रारंभिक शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। केंद्रों को अधिक प्रभावी और उपयोगी बनाने के उद्देश्य से बागवानी, वर्षा जल संचयन (रेनवाटर हार्वेस्टिंग) और पर्यावरण के प्रति जागरूकता जैसे नवाचारों को बढ़ावा दिया जा रहा है। पोषण माह के अंतर्गत आयोजित गतिविधियों के जरिए न सिर्फ बच्चों और अभिभावकों को संतुलित व पौष्टिक आहार के महत्व की जानकारी दी जा रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के उपायों से उन्हें दीर्घकालिक लाभ के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता समुदाय में यह संदेश प्रसारित कर रहे हैं कि हर घर में हरी सब्जियां उगाने की पहल की जाए। इससे न केवल परिवारों को ताजे और पोषक तत्वों से भरपूर आहार मिलेगा, बल्कि आयरन की कमी से होने वाली समस्याओं को भी रोका जा सकेगा। यह पहल बच्चों और परिवारों के समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

एसडीएम बजाग ने ली पटवारियों की समीक्षा बैठक

राजस्व वसूली, किसान रजिस्ट्री एवं सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

शनिवार को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बजाग के द्वारा तहसील कार्यालय बजाग में पटवारियों की एजेण्डा अनुसार समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन शिकायतें, पीएम किसान ई-केवाईसी, एनपीसीआई, आरओआर, फार्मर रजिस्ट्री, भू-राजस्व वसूली, गिरदावरी एवं भावांतर योजना सहित फसल कटाई प्रयोग संबंधी कार्यों की पटवारीवार समीक्षा की गई।

एसडीएम बजाग ने निर्देश दिए कि यदि कोई सीएम हेल्पलाइन शिकायत बिना निराकरण दर्ज किए लेवल-01 से उच्च स्तर पर जाएगी तो संबंधित पटवारी के विरुद्ध कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी। सभी पटवारी शिकायतों की जांच कर तथ्यपरक निराकरण पोर्टल पर दर्ज करें। यदि शिकायत राजस्व प्रकरण से संबंधित हो, तो निराकरण में प्रकरण क्रमांक, आदेश दिनांक तथा न्यायालयीन प्रकरण होने की स्थिति में न्यायालय का क्रमांक अवश्य उल्लेख करें। उन्होंने कहा कि सभी किसानों की फार्मर रजिस्ट्री तैयार की जाए, चाहे वे पीएम किसान योजना के हितग्राही हों या नहीं। इसके साथ ही भू-राजस्व वसूली शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। विशेषकर कृषि भू-राजस्व की राशि तत्काल जमा कराने के लिए कहा गया बैठक में उपस्थित पटवारियों को विभिन्न योजनाओं की प्रगति नियमित रूप से अद्यतन करने तथा आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु जिम्मेदारी से कार्य करने के निर्देश दिए गए।

मां दुर्गा को दी गई अश्रुपूरित विदाई

जयकारों से गूंजा पूरा गांव

टिकरिया में धूमधाम से हुआ दुर्गा विसर्जन

शहपुरा/डिंडौरी

शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर भक्तिमय माहौल के बीच सार्वजनिक खेरमाई दुर्गा उत्सव समिति टिकरिया द्वारा आयोजित दुर्गा उत्सव का समापन शनिवार की देर शाम मां भवानी की प्रतिमा के भव्य विसर्जन के साथ हुआ। पूरे गांव ने आस्था और उमंग के साथ मां दुर्गा को अश्रुपूरित विदाई दी।

शनिवार को शाम ढलते ही पूरे ग्राम में भक्ति और उल्लास का माहौल देखने को मिला। प्रतिमा विसर्जन से पहले निकाली गई विशाल शोभायात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। महिलाएं कलश थामे आगे-आगे चल रही थीं, वहीं युवा भक्त डीजे की भक्ति धुनों और ढोल-नगाड़ों की ताल पर झूमते-नाचते नजर आए। पूरे रास्ते "जय माता दी", "जय भवानी" के जयकारों से टिकरिया की गलियां गूंज उठीं। जगह-जगह ग्रामीणों ने जलूस का स्वागत किया और पुष्पवर्षा की। यह दृश्य इतना मनमोहक था कि हर किसी की आंखें श्रद्धा और भावनाओं से भर आईं।शोभायात्रा गांव के प्रमुख मार्गों से होते हुए मुख्य तालाब तक पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां दुर्गा की प्रतिमा का विधि-विधान से विसर्जन किया गया। तालाब किनारे भक्तों ने मां से अपने गांव-नगर की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम के दौरान पूरी व्यवस्था में सार्वजनिक खेरमाई दुर्गा उत्सव समिति टिकरिया के पदाधिकारी और सदस्य लगातार सक्रिय रहे। विसर्जन के बाद समिति की ओर से भक्ति संगीत और जलसा कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय कलाकारों ने भजन प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। पूरे आयोजन के दौरान ग्रामवासी, श्रद्धालु एवं समिति के सदस्यों ने अनुशासन, भक्ति और उत्साह का सुंदर उदाहरण पेश किया। मां दुर्गा को विदाई देते समय श्रद्धालुओं की आंखें नम जरूर थीं, परंतु उनके दिलों में अगले वर्ष फिर से मां के आगमन की उमंग साफ झलक रही थी।

डिंडौरी में सजेगी सेलिब्रिटी गरबा नाइट

उत्कृष्ट खेल मैदान बनेगा मनोरंजन का केंद्र

डिंडौरी।

डिंडौरी वासियों के लिए एक खास सौगात तैयार है आगामी 7 अक्टूबर की रात नगर का उत्कृष्ट खेल मैदान रंग-बिरंगे गरबा और फिल्मी सितारों की जगमगाहट से रोशन होगा। "सेलिब्रिटी गरबा नाइट" के रूप में डिंडौरी पहली बार एक ऐसी शाम का गवाह बनेगा, जिसमें मनोरंजन और ग्लैमर का बेहतरीन संगम देखने को मिलेगा।

इस भव्य आयोजन की जानकारी देते हुए कार्यक्रम के आयोजक मेकला फिल्म्स के प्रोड्यूसर एवं गीतकार रविराज बिलैया ने बताया कि इस विशेष अवसर पर फिल्म और म्यूज़िक इंडस्ट्री की जानी-मानी हस्तियाँ डिंडौरी पहुंच रही हैं। बॉलीवुड की चर्चित वेब सीरीज़ 'आश्रम-3', 'गुटरगूँ' और 'करतम-भरतम' में अपनी शानदार अदाकारी से पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस इशिता त्रिवेदी अपनी विशेष प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगी।वहीं, म्यूज़िक शो सारेगामा की लोकप्रिय गायिका ऋचा अर्चना अपनी मधुर आवाज़ और जोशीले परफ़ॉर्मेंस से माहौल को संगीतमय बना देंगी। कार्यक्रम का संचालन करेंगी ग्लैमरस मॉडल और एंकर हर्षिता, जिनका दिलकश अंदाज़ मंच की रौनक को और बढ़ा देगा। लाइट्स, म्यूज़िक और सितारों की चमक के बीच डिंडौरी का उत्कृष्ट खेल मैदान एक अद्भुत मनोरंजन स्थल में तब्दील हो जाएगा। गरबा की थाप पर लोग झूमते नजर आएंगे।तो तैयार हो जाइए 7 अक्टूबर की रात, जब डिंडौरी नाचेगा गरबा के रंग में और पूरा शहर गूंज उठेगा सिर्फ एक ही आवाज़ से—एंटरटेनमेंट... एंटरटेनमेंट... एंटरटेनमेंट!

ग्राम सभा में उप सरपंच पर सचिव के साथ गाली-गलौज और मारपीट का आरोप

सचिव संघ ने दी सामूहिक आंदोलन की दी चेतावनी

डिंडौरी।

जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम ग्राम पंचायत पलकी में पदस्थ सचिव नारायण प्रसाद बर्मन के साथ ग्राम पंचायत में आयोजित ग्राम सभा के दौरान उप सरपंच द्वारा अभद्रता और मारपीट किए जाने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की गई है।

घटना दिनांक 03 अक्टूबर को पीड़ित सचिव के द्वारा शाहपुर थाने में मारपीट की शिकायत दर्ज कराई गई थी लेकिन मामला पंजीबद्ध नहीं किए जाने से सचिव संगठन ने नाराजगी जताई है। जिला सचिव संघ ने आरोपी उप सरपंच के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की माँग करते हुए तहसीलदार को कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा है। जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत पलकी में 3 अक्टूबर 2025 को ग्राम सभा का आयोजन किया जा रहा था। इसी दौरान ग्राम निवासी उप सरपंच दुर्गेश सिंह ठाकुर पिता विजय सिंह ठाकुर पंचायत कार्यालय में आकर सचिव नारायण बर्मन से गाली-गलौज करने लगा और मारपीट करने की कोशिश की। आरोप है कि आरोपी ने सचिव के हाथ से सरकारी दस्तावेज (एजेंडा) छीनते हुए जान से मारने की धमकी भी दी।सचिव ने बताया कि आरोपी के द्वारा पूर्व में भी इसी प्रकार की गाली-गलौज और मारपीट की घटनाएँ हो चुकी हैं, जिनकी जानकारी थाना शाहपुर को दी गई थी, लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं की गई। इससे सचिवों में गहरा आक्रोश और भय का माहौल है। डिंडौरी जनपद पंचायत के समस्त ग्राम पंचायत सचिवों ने इस संबंध में एक सामूहिक ज्ञापन कलेक्टर के नाम पर सौंप कर आरोपी के खिलाफ शीघ्र एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी की माँग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्यवाही नहीं की गई तो जनपद पंचायत डिंडौरी का संपूर्ण सचिव संघ सामूहिक हड़ताल पर जाने को बाध्य होगा।सचिव संघ ने कहा कि लगातार हो रही घटनाएँ उनके आत्म-सम्मान और सुरक्षा से जुड़ी हैं। शासकीय कार्य में बाधा डालने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई न होने से सचिवों में असंतोष व्याप्त है।

The Court Of Civil Judge Class-I and Chief Judicial Magistrate, District Court, Dindori
Presiding Officer : श्री गिरजेश कुमार सनोदिया
आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम सक्सेशन प्रकरण क्रमांक
(MJC SUC/00000082025)
ओमकार प्रसाद सोनी.....आवेदक
Vs
वंशिका सोनी.....अनावेदक
Process Id- /2025
पेशी दिनांक : 07/10/2025
प्रेषिती- (1) जनसाधारण पता- जिला डिण्डौरी म.प्र.
(2) आम जनता
आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक ओमकार प्रसाद सोनी मृतक संजय सोनी निवासी सिविल लाइन जिला डिण्डौरी म.प्र. की स्वत्वों व राशि की भुगतान हेतु राशि/संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 07 October 2025 को नियत है।
यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक / संरक्षक होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 07 October 2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें । सूचना उपरांत, यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।
यह आज तारीख 13 September 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
न्यायाधीश
(शील) (गिरजेश कुमार सनोदिया)
प्रथम व्यवहार जिला न्यायाधीश
वरिष्ठ खंड जिला डिण्डौरी (म.प्र.)
कृपया ध्यान-1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

हरिभूमि
नर्मदा भूमि
10
जबलपुर, रविवार 5 अक्टूबर 2025
login : www.haribhoomi.com
करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

प्राचार्य सी पी अग्रवाल हुये सेवानिवृत्त

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस शासकीय हाईस्कूल भामा में पदस्थ प्राचार्य सी पी अग्रवाल की शासकीय सेवावधि समाप्त हो जाने पर विद्यालय परिवार द्वारा समारोह पूर्वक विदाईभिनंदन किया जायेगा। हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार श्री अग्रवाल की प्राथमिक से स्नातक तक की शिक्षा बरमान से हुई है तथा स्नाकोत्तर की शिक्षा सागर यूनिवर्सिटी से पूर्ण कर वर्ष 1985 में पहली शासकीय सेवा ग्राम उसरी से शुरू हुई थी 1990 में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के बाद मर्रावन रम्पुरा सर्रा में रहने के बाद पुनः कन्या विद्यालय में पदस्थ हुए।वर्ष 2023 में शासकीय हाईस्कूल में प्रमोशन के दौरान प्राचार्य पद पर पदस्थ हुये थे।30 सितंबर को अपनी 40 वर्षों की सेवावधि समाप्त होने पर 7 अक्टूबर को विद्यालय परिवार द्वारा समारोह पूर्वक विदाई दी जाएगी।

खेतों को जरुरत है बतर की

रवि मौसम की फसलों की बुबाई हो रही लेट

तेंदूखेड़ा। ज्यादा वारिस से खरीफ मौसम की फसलों को नुकसान पहुंचा है। वहीं अब यह वारिस रवि मौसम की फसलों को भी लेट कर रहा है। ज्यादा वारिस के चलते जहां अधिकांश खेतों में पानी का भराव बना हुआ है वहीं खेतों में ज्यादा नमी बनी हुई है।अधिकांश खेतों में नवरात्रि में रवि मौसम की चना मसूर बटरी गेंहू की बोनी होने लगती थी लेकिन अभी तक क्षेत्र में कहीं भी बोनी नहीं हो पाई है।हरा मटर जो कि नवम्बर माह से आना शुरू हो जाता था उसकी भी बोनी नहीं हो पाई है।मौसम विभाग 10 अक्टूबर तक मानसून की विदाई का समय बता रहा है। और बुबाई वैसे भी 10-15 दिन लेट हो गई है। बागबानी करने वाले किसानों का कहना है कि इस बार वारिस के कारण आलू मिर्ची टमाटर लहसुन भटा जैसी सब्जियों की बुबाई भी नहीं हो पा रही है।

6 अक्टूबर को मनाया जाएगा वृद्धजन दिवस

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण नरसिंहपुर ने बताया कि सोमवार 6 अक्टूबर को दोपहर एक बजे से पीजी कॉलेज नरसिंहपुर में वृद्धजन दिवस का आयोजन किया जाएगा। इसमें एलिम्को द्वारा राष्ट्रीय वयोश्री योजनांतर्गत सहायक उपकरण प्रदान किए जाएंगे। एलिम्को द्वारा 16 दिसम्बर 2024 को जिन वृद्धजनों को परीक्षण स्वरूप पात्रता पर्ची प्रदान की गई थी, उक्त पात्रता पर्ची को निर्धारित कार्यक्रम स्थल पर अवश्य लेकर आने के लिए कहा गया है।

80 वां सालाना उर्स व शाहे- जीशान से 4 से

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। स्थानीय करबला शरीफ में 80वां उर्स व शाहे- जीशान का तीन दिवसीय आयोजन 4 अक्टूबर से 6अक्टूबर तक किया जा रहा है उर्स व दरगाह कमटी के अध्यक्ष सगीर उस्मानी व सचिव इलियास खान ने जानकारी देते हुए बताया कि 4अक्टूबर से शाही संदल व चादर शरीफ शाम 7बजे से नया बाजार में होगा वहीं 5 अक्टूबर में कब्बालियों का मुकाबला व लंगर की फातहा की जायेगी। कब्बाल दानिश मोनिश अली खान रामपुर एवं नौशाद शहजाद साबरी ब्रदर्स ऽके बीच मुकाबला रात्रि 9बजे से होगा। 6 अक्टूबर में कुल शरीफमहफिल-ए-रंग व दुआ-ए-खैर प्रातरू 8बजे से आयोजित है उक्त अवसर पर कमेटी ने सभी से उपस्थिति की अपील की है।

अधीक्षण अभियंता ने राजस्व वसूली हेतु किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड नरसिंहपुर व्रत के अधीक्षण अभियंता श्री चैहान का डांगीढाना वितरण केन्द्र में राजस्व वसूली समीक्षा हेतु ओचक निरीक्षण किया ओर पेमेंट काउंट अमाउंट में 25 प्रतिशत ग्रोथ विगत 3 वर्षों के बकायदार पंप बिल बकायादार और जीरो से पांच सो रुपए के बकायदार से राजस्व वसूली हेतु विशेष अभियान चलाकर 10 अक्टूबर तक 2023 के बकायदार ओर पंप बिल को शत प्रतिशत राशि जमा करवाने हेतु निर्देशित किया।

भावांतर योजना के तहत पंजीयन कराने की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर

भावांतर योजना का अधिक से अधिक लाभ किसानों को मिले

पंजीयन के लिए 24 केन्द्र बनाए गए

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने गुरूवार को कलेक्टर कक्ष में भावांतर योजना के क्रियान्वयन के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप संचालक कृषि मोरिस नाथ और अन्य अधिकारी- कर्मचारी मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि भावांतर योजना का अधिक से अधिक प्रचार- प्रसार करें, जिससे किसानों को इस योजना का लाभ मिल सके। सभी मैदानी अधिकारी व कर्मचारी अपने- अपने क्षेत्रों का भ्रमण करें एवं ग्राम पंचायतों में ग्राम सभा का आयोजन करें। भावांतर योजना का पम्पलेट, पोस्टर व बैनर के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार करना सुनिश्चित करें। किसानों का पंजीयन शत प्रतिशत पूरा करें।

पंजीयन के लिए 24 केन्द्र बनाए गए

उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने बताया कि जिले में भावांतर योजना के तहत सोयाबीन फसल के किसानों का पंजीयन 3 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2025 तक किए जा रहे हैं। पंजीयन के लिए जिले में 24 सहकारी संस्थाएं और विपणन संस्थाओं में पंजीयन केन्द्र बनाए गए हैं। किसान नजदीकी सहकारी समिति में जाकर अपना पंजीयन करा सकते हैं। इसके अलावा किसान ग्राहक सुविधा केन्द्र, एमपी किसान एप एवं एमपी ऑनलाइन कियोस्क के माध्यम से भी अपना पंजीयन करा सकते हैं। उप संचालक कृषि ने बताया कि भावांतर योजना के तहत करेली तहसील के अंतर्गत वृहत्ता सेवा सहकारी संस्था करेली के समिति परिसर करेली और प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित रामपिपरिया के समिति परिसर रामपिपरिया में पंजीयन केन्द्र बनाए गए हैं। गाडरवारा तहसील के अंतर्गत सहकारी विपणन संस्था मर्यादित खुलरी के समिति परिसर खुलरी, सहकारी विपणन संस्था मर्यादित गाडरवारा के समिति परिसर गाडरवारा, सेवा सहकारी संस्था सिहोरा के समिति परिसर सिहोरा, सेवा सहकारी संस्था महगवांखुर्द के समिति परिसर महगवांखुर्द, सेवा सहकारी संस्था चीचली के समिति परिसर चीचली, सेवा सहकारी संस्था बाबईकला के समिति परिसर बाबईकला, वृहत्ता सेवा सहकारी संस्था करपगांव के समिति परिसर करपगांव, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित चिंरिया के समिति परिसर चिर्रिया और प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित शाहपुर के समिति परिसर शाहपुर में पंजीयन केन्द्र बनाए गए हैं। गोटेगांव तहसील के अंतर्गत सेवा सहकारी संस्था सूरवारी के समिति परिसर सूरवारी, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था श्रीनगर के समिति परिसर श्रीनगर, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित इमलिया (कामती) के समिति परिसर इमलिया (कामती), प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित बरहेटा के समिति परिसर बरहेटा और सेवा सहकारी समिति मर्यादित बढ़ैयाखेड़ा के समिति परिसर बढ़यिाखेड़ा में पंजीयन केन्द्र बनाए गए हैं। तेंदूखेड़ा तहसील के अंतर्गत वृहत्ता सेवा सहकारी संस्था तेंदूखेड़ा के समिति परिसर तेंदूखेड़ा, वृहत्ता सेवा सहकारी संस्था डोभी के समिति परिसर डोभी और प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित बिलगुवा के समिति परिसर बिलगुवा में पंजीयन केन्द्र बनाए गए हैं। नरसिंहपुर तहसील के अंतर्गत वृहत्ता सेवा सहकारी संस्था नरसिंहपुर के समिति परिसर नरसिंहपुर, सेवा सहकारी संस्था सिंहपुर के समिति परिसर सिंहपुर और प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित नयागांव के समिति परिसर नयागांव में पंजीयन केन्द्र बनाए गए हैं। सांईखेड़ा तहसील के अंतर्गत सेवा सहकारी संस्था रम्पुरा के समिति परिसर रम्पुरा और सेवा सहकारी संस्था सासबहू के समिति परिसर सासबहू में पंजीयन केन्द्र बनाए गए हैं।

विधानसभा अध्यक्ष एवं उप मुख्यमंत्री ने स्व. श्रीमती यशोदा पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग व श्रम विभाग मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, जालम सिंह पटेल और सरदार सिंह पटेल की माताजी स्व. श्रीमती यशोदा पटेल का निधन होने पर नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव में पहुंचे। विधानसभा अध्यक्ष ने स्व. श्रीमती यशोदा पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और परिजनों से भेंट कर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ईश्वर दिवंगत पुण्य आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

ब्रह्माकुमारीज ने वृद्धजनों का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। अंतरराष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस पर वृद्ध जनों को ब्रह्मा कुमारीज संस्थान नरसिंहपुर से ब्र कु कुसुम दीदी जी के द्वारा सम्मानित किया गया । इस अवसर पर अधिवक्ता विनय जैन, एस के चतुर्वेदी, ए के वर्मा, गणेश कुमार चतुर्वेदी, अशोक त्रिपाठी, अशोक नेमा, ऋषि कुमार चैबे आदि सहित वरिष्ठ नागरिक वृद्ध जनों को तुलसी की माला एवं ईश्वरीय सौगात देते हुए दीदी जी ने सम्मानित किया।

शासन की योजनाओं का लाभ जिले के सभी हितग्राहियों को मिले

कलेक्टर की अध्यक्षता में अधिकारियों की बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अधिकारियों की परिचयात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जिले के शतप्रतिशत हितग्राहियों को दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने योजनाओं, अभियानों और कार्यक्रमों की जानकारी ली। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने बताया कि स्वच्छता को संस्थागत रूप देने एवं शासकीय कार्यालयों में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक स्पेशल कैम्पेन 5.0 भारत सरकार के समस्त विभागों में आयोजित किया जा रहा है। राज्य शासन द्वारा भी उक्त अभियान की तर्ज पर प्रदेश के सभी शासकीय कार्यालयों में 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लंबित प्रकरणों, फाइलों और अपीलों का त्वरित व पारदर्शी निपटारा, कार्यालयों में स्वच्छता, कचरा निस्तारण तथा ई- कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन को बढ़ावा देना, अधिकारियों- कर्मचारियों में सेवा भाव जवाबदेही को सुदृढ़ करना है, जिससे योजनाओं और सेवाओं की सुगम व पारदर्शी प्रक्रिया से लाभांवितों की संख्या में वृद्धि होगी। आम जनता की शासन से की गई अपेक्षाओं का त्वरित निदान होने से शासन के प्रति भरोसा बढ़ेगा और कार्यालयों में बेहतर स्वच्छता और ई- कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण से स्वच्छ व हरित शासन व्यवस्था स्थापित होगी। इस संबंध में कलेक्टर ने शासन द्वारा जारी निर्देशों का बेहतर से बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश सभी अधिकारियों को दिए।

ब्राह्मण महिला एकता परिषद ने दुर्गा काली मंडलों का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सर्व ब्राह्मण महिला एकता परिषद ने इस बार एक नई पहल कर शहर में दुर्गा काली मंडलों की बेहद शानदार व्यवस्था , साज सज्जा एवं मां की भव्य मूर्तियों पर उन्हें सम्मानित करने का निर्णय लिया एवं मंडल पर उपस्थित होकर शील्ड एवं पट्का पहनाकर सम्मानित किया। इसमें प्रमुख रूप से प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की चैतन्य देवी झांकी, श्री शक्ति दुर्गा मंडल की सदर की महारानी का विराट मां कंकाली देवी का स्वरूप ,चरहाई काली मंडल में मां महाकाली का विराट स्वरूप, जय भोलेनाथ दुर्गा मंडल बरगी में मां के नौ रूप में नवदुर्गा एवं शारदा दुर्गा मंडल कठल पेट्रोल पंप में मां अन्नपूर्णा का विराट स्वरूप को सम्मानित किया।

स्वदेशी वस्तुओं की उपयोगिता और उत्पादक पर जोर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्याल में प्राचार्य डॉ आर बी सिंह के सानिध्य में छात्र इकाई कार्यक्रम अधिकारी, डॉ अमित ताम्रकार छात्रा इकाई कार्यक्रम अधिकारी, डॉ. रानी कुमारी, सहायक अधिकारी डा. जी एस मसकोले के निर्देशन एवं दलनायक दिनेश अग्रवाल, सहदलनायक विवेक साहू, दलनायिका मनीषा राजपूत के नेतृत्व में राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्र एवं छात्रा इकाई के संयुक्त तत्वाधान में सेवा पखवाड़ा अभियान चलाया जा रहा है । रासेयो स्वयंसेवकों द्वारा सत्य एवं अहिंसा की शपथ , स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग उत्पादन पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थीयो ने सहभागिता की।

ऋषि महोबिया शासकीय सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सिहोरा वितरण केंद्र में पदस्थ वरिष्ठ कार्यालय सहायक ऋषि कुमार महोबिया ने शासकीय सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए। सम्मान समारोह में उनके कार्यकाल को याद करते हुए वक्ताओं ने कहा कि श्री महोबिया ने अपने सेवाकाल में विभाग को महत्वपूर्ण योगदान दिया है। श्री महोबिया का शाल-श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। अधीक्षण अभियंता (संध्सं) नरसिंहपुर अमित कुमार चैहान ने कहा कि उनकी उत्कृष्ट सेवाओं को विभाग सदैव स्मरण रखेगा।

जर्जर हो चुके पुलों की बढ़ाई जाये ऊंचाई

आये दिन होते रहते हैं गंभीर हादसे

तेंदूखेड़ा। तेंदूखेड़ा से इमझिरा और डोभी होकर बरमान जाने वाले सड़क मार्ग पर इमझिरा के समीप बरांझ नदी और डोभी के समीप पांडाझिर नदी पर बने पुल अपनी उम्र दराज पूर्ण कर लेने के उपरांत अब जर्जर होकर अपनी अंतिम सांसें गिन रहे हैं। कभी भी धराशाई होने के साथ गंभीर हादसों को आमंत्रण भी देने लगें हैं।इन दोनों नदियों पर बनें पुलों की ऊंचाई बहुत ही कम है, थोड़ी सी वारिश में आने वाले बाढ़ के पानी के कारण पुलों के ऊपर से पानी हो जाने के कारण सड़क मार्ग बंद हो जाता है।इस मार्ग के लोगों को घूम कर आवागमन करना पड़ता है।

हो रहा है मिट्टी का कटाव

पिछले कई दिनों से देखने में आ रहा है कि बरसात के दौरान बाढ़ के पानी से नदी का कटाव बड़ी मात्रा में होता चला जा रहा है। जिससे पाट काफी चौड़ा हो रहा है और बाजू से बनें पुल के लिए भी घातक सिद्ध हो रहा है।इस कटाव से ऊपर ग्राउंड और शवदाह गृह के लिए भी भविष्य में परेशानी के साथ जगह कम पड़ने लगेगी।समय रहते इन पुलों की ऊंचाई नहीं बढ़ाई गई तो आने वाले समय में और भी परेशानियां जन्म ले लेंगी। बरमान से तेंदूखेड़ा तक सड़क चौड़ी करण के दौरान इन दोनों पुलों के निर्माण ऊंचाई बढ़ाने को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया था लेकिन सेतु निगम द्वारा इस विषय पर अपनी सहमति प्रदान नहीं की। क्षेत्रीय लोगों ने तत्काल प्रभाव से इन दोनों पुलों की ऊंचाई बढ़ाने की दिशा में उचित कार्यवाही की मांग की है।

निकल आये है बड़े बड़े गड्ढे

इमझिरा के समीप बरांझ नदी पर बने पुल की यह स्थिति बनी हुई है कि इनमें बढ़े बढ़े गड्ढे निकल आये है जिसमें छोटे बाहन चालकों को रात्रि में आवागमन के दौरान परेशानी हुआ करती है। अनेकों बार गड्ढे बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर टेक्ट्रर ट्रालियां भी पलट चुकी है।असमय मौतें हो चुकीं है। छोटी कारों के चाक पर इन गड्ढों में फंस जाने के कारण क्षतिग्रस्त हो चुके हैं।समय समय पर जैसे तैसे इन गड्ढों को भर दिया जाता है लेकिन कुछ समय बाद पुनः वही स्थिति बन जाती है। कुछ समय पूर्व एक हिस्सा टूट भी गया था लेकिन उसमें वोल्डर पत्थर भरकर पुनः बना दिया गया लेकिन अब फिर वही स्थिति बनने लगी है। आखिर ऐसा कब तक चलेगा।